हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार 23 जून 2026

तापमान

अधिकतम 38 .6 डिग्री
न्यूनतम 25 .0 डिग्री

11 अपराधियों को दबोचने में पुलिस के लिए सबसे अहम कड़ी सीसीटीवी कैमरे

12 डिपो में हड़कंप फायर ब्रिगेड बुलाकर कराया खाली, अफसरों में मची अफरा-तफरी

खबर संक्षेप

हादसे के बाद फरार चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस सड़क हादसों के बाद मौके से फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। खोल थाना पुलिस ने जैसलमेर नेशनल हाइवे पर हादसे के बाद 6 अप्रैल को आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में युपी के बखतावरपुर निवासी अमरजीत को गिरफ्तार कर लिया। उसका वाहन भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने विपरीत दिशा में वाहन चलाकर दूसरे वाहन को टक्कर मारने के मामले में एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हादसे में एक वाहन क्षतिग्रस्त होने के बाद 12 जून को ट्रक चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने बिहार के पंचग्राम निवासी अब्दुल को गिरफ्तार कर लिया। उसका ट्रक भी इंपाउंड कर दिया गया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज के लिए महिला को प्रताड़ित करने और धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिले के एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने गत वर्ष 22 दिनसंबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने गुरुग्राम के भौड़ा निवासी अजीतपालको गिरफ्तार किया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

ट्रक की चपेट में आकर साइकिल सवार की मौत

धारूहेड़ा। रविवार की रात दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर मालपुरा के निकट ट्रक की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। खलियावास निवासी 44 वर्षीय ओमप्रकाश किसी काम से साइकिल लेकर कापड़ीवास गांव गया था। घर लौटते समय मालपुरा के निकट एक ट्रक ने साइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में ओमप्रकाश के शरीर का आधा हिस्सा ट्रक से कुचला गया। आसपास के लोगों की सूचना पर पुलिस ने गंभीर रूप से घायल ओमप्रकाश को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी।

संशोधित एफएमपी वैगन रेक का परिचालन शुरू, नए लो फ्लोर वैगनों से बढ़ी माल परिवहन की क्षमता

डीएफसीसीआईए की ट्रक ऑन ट्रेन सेवा प्रभावी आर्मी व कमर्शियल वाहनों का सफर सुगम

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने न्यू रेवाड़ी रेलवे स्टेशन से ट्रक्स ऑन ट्रेन सुविधा को प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। वैगन की क्षमता बढ़ाने के लिए लो फ्लोर वैगनों का परिचालन शुरू कर दिया गया है, जो ट्रेन में ट्रैकों को लाने-ले जाने की दिशा में पहले से अधिक कारगर साबित होंगे। वैगन रेल में आर्मी के वाहनों के साथ-साथ वाणिज्यिक वाहनों का परिचालन भी सुलभ और प्रभावी होगा। इसके लिए हाल ही में डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक प्रवीन कुमार न्यू दादरी से राजस्थान के न्यू डाबला स्टेशनों का इंफ्रास्ट्रक्चर का गहन निरीक्षण भी कर चुके हैं। सड़क ट्रांसपोर्ट से सस्ता होने के कारण आयातक-निर्यातक और ट्रांसपोर्टरों का रुझान रेल माल परिवहन की ओर लगातार बढ़ रहा है। मुंबई से लेकर यूपी के दादरी तक माल वाहक ट्रकों को अब ट्रेनों के जरिए लाया और ले जाया जाता है। सड़क मार्ग से चलने वाले ट्रकों के खर्च की तुलना में रेल से ट्रकों का आवागमन सस्ता और सुगम पड़ता है। सड़क के रास्ते सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करने में ट्रक चालकों को कई दिन का समय लग जाता है, डीएफसीसीआईएल के फ्रेट कॉरिडोर से यह ट्रक ट्रेनों के जरिए बहुत कम समय में पहुंच जाते हैं। पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ने के बाद सड़क मार्ग से आवागमन करने वाले ट्रकों का ट्रांसपोर्ट खर्च बढ़ चुका है। आर्मी के वाहनों को पहले से ही माल वाहक ट्रेनों के जरिए लाया ले जाया जाता रहा है।

अलग खबर

रेवाड़ी। न्यू रेवाड़ी स्टेशन पर निरीक्षण करते एमडी व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। डीएफसीसीआईए की ट्रक ऑन ट्रेन सेवा हुई प्रभावी। फोटो : हरिभूमि

लो फ्लोर वैगन की क्षमता 60 टन

एमडी के अनुसार न्यू रेवाड़ी में ट्रक्स-ऑन-ट्रेन सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए संशोधित एफएमपी वैगन रेक के परिचालन शुरू किया गया है। नए लो-फ्लोर वैगनों की ऊंचाई 975 मिमी रखी गई है, जिससे वाणिज्यिक और रक्षा क्षेत्र के वाहनों का सुगम परिवहन संभव होगा। 60 टन तक भार वहन क्षमता वाले ये वैगन रेल आधारित माल परिवहन को और अधिक सक्षम बनाएंगे।'

रेवाड़ी। नवीनीकृत एफएमपी रेक का शुभारंभ करते एमडी व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

लैसिंग सिस्टम पर की गई समीक्षा

एमडी ने उद्योग जगत से मिले सुझावों के आधार पर विकसित नए और सरल लैशिंग सिस्टम की भी समीक्षा की। यह व्यवस्था छोटे वाहनों से लेकर 45 टन से अधिक वजन वाले भारी ट्रकों तक के सुरक्षित परिवहन को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सोलर परियोजनाओं को भी बढ़ावा

न्यू रेवाड़ी स्टेशन पर आरईएससीओ मॉडल के तहत विकसित होने वाली सौर ऊर्जा परियोजना भी शुरू की गई। इसके अलावा न्यू अटेली में कैपेक्स मॉडल के तहत विकसित स्व-वित्तपोषित सोलर पावर परियोजना का शुभारंभ भी किया जा चुका है। डीएफसीसीआईएल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए हरित ऊर्जा के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

परियोजनाओं का किया निरीक्षण

एमडी प्रवीन कुमार हाल ही में न्यू दादरी से न्यू डाबला तक विभिन्न आधारभूत संरचना परियोजनाओं, बिजनेस डेवलपमेंट गतिविधियों और सस्टेनेबिलिटी पहलों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने माल परिवहन क्षमता बढ़ाने, कॉरिडोर के बेहतर उपयोग और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

आरओबी का भी जायजा लिया

एमडी ने अपने दौरे की शुरूआत न्यू दादरी से की, जहां उन्होंने आरओबी-191-एच और आईएमडी भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी औपचारिकताएं पूरी कर परियोजनाओं को जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। इसके बाद न्यू रेवाड़ी सेक्शन का निरीक्षण किया।

पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार, अंतिम संस्कार को लेकर भी विवाद

संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत अस्पताल में मायके पक्ष का हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार की रात पिथड़वास में एक विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया। इसके बाद अस्पताल पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने हत्या के आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। मायके पक्ष के लोग ससुराल पक्ष के लोगों को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस ने दहेज हत्या के आरोप में मृतका के पति को गिरफ्तार करने के बाद अन्य आरोपियों को जल्द काबू करने का आश्वासन दिया।इसके बाद ही परिजन अस्पताल से शव उठवाने को तैयार हुए।

मामड़िया आसमपुर निवासी नरेश ने अपनी बेटी प्रीती की शादी लगभग तीन साल पहले पिथड़वास निवासी ईश्वर के बेटे दीपक साथ की थी। 25 वर्षीय प्रीती को शादी के बाद प्रीती को बेटा हुआ। प्रीती ने कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें ससुराल पक्ष के लोगों पर जहरीला पदार्थ पिलाने का आरोप लगाया गया था। बाद में उसके पति ने पोस्ट हटवा दी। ससुराल पक्ष के लोगों ने रात को ही प्रीती के पिता मामड़िया आसमपुर निवासी नरेश को फोन पर सूचना दी कि उसकी बेटी बेहोश हो गई। उसे अस्पताल में दाखिल कराया गया है। इसके बाद मायके पक्ष के लोग पहुंच गए। सूचना मिलने के बाद थाना रामपुरा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भिजवा दिया। अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद मायके पक्ष के लोगों ने जमकर हंगामा किया। मृतका के मामा अजीत कुमार ने आरोप लगाया कि अरेंज मैरिज होने के कारण दीपक को प्रीती पहले से ही पसंद नहीं थी। वह व परिवार के सदस्य उसे बार-बार ताने देते थे। उसने आरोप लगाया कि प्रीती की हत्या की गई है। इसके बाद मायके पक्ष के लोगों ने अस्पताल से शव नहीं उठाने दिया।

मौत की जांच में जुटी पुलिस

रेवाड़ी। मृतका प्रीति, विवाहिता की मौत के बाद अस्पातल में मौजूद परिजन व ग्रामीण।

आरोपियों की गिरफ्तारी पर माने

परिजन इस बात पर अड़े रहे कि जब तक ससुराल पक्ष के लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, शव को अस्पताल से बाहर नहीं ले जाने दिया जाएगा। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतका के पति को गिरफ्तार कर लिया लिया गया है। जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद यह भी तय हुआ कि अंतिम संस्कार मृतका के ससुराल में ही किया जाएगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

मायके पक्ष के आरोपों को लेकर केस दर्ज कर लिया गया है। प्रीती के पति को केस दर्ज करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। इसके बाद आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

-संजय कुमार, एसएचओ, रामपुरा।

लियाफी यूनियन ने किया एलआईसी एसडीएम का स्वागत

रेवाड़ी। सोमवार को दिल्ली एलआईसी डीओ-3 के एसडीएम प्रदीप कुमार ने रेवाड़ी एलआईसी कार्यालय का दौरा किया। इस मौके पर लियाफी यूनियन रेवाड़ी 11-जी के पदाधिकारियों ने एसडीएम का स्वागत किया। इस मौके पर एलआईसी की नवीनतम योजनाओं पर चर्चा की गई। इस मौके लियाफी यूनियन के प्रधान सतीश कुमार यादव, जनरल सेक्रेटरी महेंद्र कुमार झाझरिया, खजांची परमेश कुमार, योगेश शर्मा व अमित सहित यूनियन के अनेक सदस्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। एसडीएम का स्वागत करते यूनियन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

घरों में पानी की टंकी, फ्रिज-ट्रे, पशु खेल व गमले सहित छतों व आसपास पड़े कबाड़ की जांच करें

डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए बैठक एमपीएचडब्ल्यू को सतर्क रहने के निर्देश

रेवाड़ी। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से सिविल सर्जन डा. नरेन्द्र सिंह दहिया के मार्गदर्शन में ट्रामा सेंटर स्थित सभागार में डेंगू-मलेरिया बीमारियों की रोकथाम व बचाव के लिए बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी डा. जोगेंद्र सिंह तंवर व एसएमआई राजेन्द्र कुमार ने सभी एमपीएचडब्ल्यू को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला मलेरिया अधिकारी डा. तंवर ने कहा कि सभी एमपीएचडब्ल्यू अपने-अपने क्षेत्र में लगातार विजिट करें। विजिट के दौरान घरों में पानी की टंकी, फ्रिज-ट्रे, पशु खेल व गमले सहित छतों व आसपास पड़े कबाड़ की जांच करें। जांच के दौरान जहां भी लार्वा मिलता है, उन लोगों को नोटिस दिया जाए। डा. तंवर ने कहा कि सर्वे के दौरान लोगों को मच्छर जनित बीमारियों के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी व एसएमआई ने सभी को आदेश दिए की वे कंस्ट्रक्शन साइट्स, कबाड़ की दुकानें, सत्संग भवन, नर्सरी व डेयरी में भी समय-समय पर विजिट करें ताकि लोगों का मच्छर से पनपने वाली बिमारियां जैसे मलेरिया व डेंगू से बचाव हो सकें। जिले में अभी डेंगू का एक भी केस नहीं मिला है, जबकि पिछले दिनों मलेरिया के 5 केस मिल चुके है। गत वर्ष जिले में डेंगू के 297 व मलेरिया के 9 केस मिले थे।

रेवाड़ी। एमपीएचडब्ल्यू की बैठक लेते हुए डा. जोगेन्द्र तंवर।

मौसम सप्ताह के अंत में अच्छी बारिश होने की संभावना जताई जा रही

रात के तापमान में दो डिग्री की गिरावट दिन में बूंदाबांदी के बाद बढ़ी उमस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमवार को दोपहर बाद धूप के साथ हुई बूंदाबांदी के बाद भी गर्मी का असर तेज हो गया। दिन के तापमान में मामूली बढ़ोतरी होने से उमस भरी गर्मी ने जमकर परेशान किया। अभी बरसात होने तक उमस परेशान करती रहेगी। लगभग एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। सप्ताह के अंत में अच्छी बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। रात के तापमान में भी दो डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। मंगलवार को सुबह से ही तेज धूप के साथ मौसम साफ रहा। दोपहर बाद धूप के साथ बादलों के बीच बूंदाबांदी होती रही। कुछ इलाकों में हल्की बरसात भी हुई। अधिकतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 38.6 डिग्री पर पहुंच गया। रात का तापमान 2 डिग्री की कमी के साथ 25 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। दिन के समय वातावरण में भारी उमस व चिपचिपाहट बनी रही। इससे लोगों को सारा दिन पसीना बहाना पड़ा। दोपहर बाद तक कूलरों की हवा में भी लोगों के पसीने छूटते रहे। शाम के समय भी आसमान में गहरे बादल छाए गए, जिससे रात को बारिश की संभावना बनी हुई थी। मौसम विभाग के अनुसार मानूसन की बारिश जल्द शुरू हो सकती है।

रेवाड़ी। सोमवार शाम के समय आसमान में बादलों का नजारा।

बिजली की खपत में होने लगा इजाफा

गत 9 जून को हुई तेज बरसात के बाद बिजली की खपत में कमी आ गई थी। गर्मी बढ़ने के कारण बिजली की खपत एक बार फिर से बढ़ने लगी है। इस समय जिले में बिजली की खपत लगभग 85 लाख यूनिट चल रही है। आपूर्ति पर्याप्त रहने के कारण पावर कटों से निजात मिली हुई है। गर्मी बढ़ने के बाद बाजरा की फसल को सिंचाई की जरूरत है, जिस कारण कृषि क्षेत्र में बिजली की मांग बढ़ने लगी है। किसान एक बार फिर आसमान की ओर नजरें टिकाए हुए हैं।

दो बाइकों की टक्कर में कंपनी कर्मचारी की मौत

रेवाड़ी। महेंद्रगढ़ रोड पर जाडरा के समीप दो बाइकों के बीच जबरदस्त टक्कर में एक बाइक पर सवार कंपनी कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक का चालक घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। प्राणपुरा निवासी लगभग 23 वर्षीय धर्मेंद्र मारूति कंपनी में कार्यरत था। वह घर से बाइक लेकर कंपनी जाने के लिए निकला था। जाडरा के पास सामने से आ रही बाइक से उसकी बाइक टकरा गई। इससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरी बाइक का चालक भी हादसे में घायल हो गया। आसपास के लोगों ने धर्मेंद्र को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे गंभीरावस्था में पीजीआई रोहतक के लिए रेफर कर दिया गया। पीजीआई में उपचार के दौरान धर्मेंद्र की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद रामपुरा थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

मृतक धर्मेन्द्र

अवैध अहाता संचालक सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना मॉडल टाउन पुलिस ने अनाज मंडी के सामने अवैध रूप से खोखे में शराब पिलाने वाले दुकानदार सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अनाज मंडी के सामने एक खोखे पर अवैध रूप से शराब पिलाई जाती है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने रविवार देर रात खोखे पर रेड की, तो वहां दो लोग बैठकर शराब पी रहे थे। पुलिस ने खोखे में अहाता चलाने वाले बिहार के पंचरुखी निवासी रमन कुमार से परमिट दिखाने को कहा, तो उसने परमिट होने से मना कर दिया। पुलिस ने उसे काबू करने के साथ-साथ वहां बैठकर शराब पी रहे बिहार के चौरोथ निवासी अरुण और पंचरुखी निवासी रामकुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
23 जून 2026

सहेली

प्रेम को कभी परिभाषित नहीं किया जा सकता। प्रेम का तो बस अहसास किया जा सकता है। पति-पत्नी के लिए प्रेम के बहुत अलग और गहरे मायने होते हैं, सिर्फ अपने साथी के लिए जीना, जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे का सहारा बनना। पति-पत्नी का प्रेम कभी एकतरफा बोझ नहीं डालता है। प्रेम में 'मैं' नहीं केवल 'हम' होता है। इस तरह के प्रेम में दंपती एकसार होकर अपना जीवन मधुरता और खुशियों से भर लेते हैं।

कवर स्टोरी

डॉ. ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

प्रेम न बाड़ी उपजै प्रेम न हाट बिकाय

अगर आपसे यह प्रश्न पूछा जाए कि इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली क्या है, तो यह प्रश्न शायद आपको थोड़ा उलझा दे! लेकिन देखा जाए तो इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली है- प्रेम। आप सोच सकते हैं- प्रेम, जो केवल ढाई अक्षर का है, वह भला कैसे उलझा सकता है? जरा एक पल को रुकिए और सोचिए क्या वाकई प्रेम को समझना इतना आसान है? अगर इस पहेली को सुलझाना इतना सहज-सरल होता, तो निश्चित ही हर प्रेम विवाह सफल होता। अपने आस-पास ही देख लीजिए, हजारों युवा बड़े-बड़े वादों के साथ, कभी माता-पिता की सहमति से तो कभी उनके विरुद्ध जाकर विवाह करते हैं, पर फिर वही प्रेम धीरे-धीरे बिखरने लगता है, और इसके साथ ही बिखरने लगते हैं वादे-कसमें। आखिर प्रेम क्यों बिखरने लगता है? यह प्रश्न हमें उसी पहेली तक वापस ले जाता है, जिसकी बात हमने शुरुआत में की थी।

प्रेम क्या है

सवाल यह है, जिसे हम प्रेम समझते हैं, क्या वह सच में प्रेम है? कई बार वह केवल आकर्षण होता है, जिसे हम प्रेम का नाम दे देते हैं। यहीं से उलझन शुरू होती है। किसी भी रिश्ते में बंधना जितना सहज है, उतना ही मुश्किल है उसे निभाना, विशेषकर जब रिश्ता पति और पत्नी का हो। यह रिश्ता दुनिया में सबसे अलग और सबसे अनूठा होता है, क्योंकि इसे आपने स्वयं चुना होता है। अगर आपका जीवन साथी आपके माता-पिता का चुनाव भी हो तो भी पति-पत्नी के संबंध का सर्वोच्च आधार सिर्फ और सिर्फ प्रेम होता है। वह 'प्रेम' जो ना तो शर्तों पर टिका होता है और ना ही अपेक्षाओं का एकतरफा बोझ डालता है। वह तो निरंतर निर्झर बहने वाली नदी के समान है, जो कभी थमती नहीं। प्रेम देह से ऊपर है, बुद्धि से ऊपर है, दिखावे और प्रसिद्धि से भी बहुत ऊपर है। उसका संबंध केवल हृदय से होता है। हमारे उस छोटे से दिल में, जो भले ही मुट्ठी भर का है, पर अपने भीतर पूरी दुनिया को समेट लेने की क्षमता रखता है। विश्वास कीजिए, प्रेम को किसी परिभाषा में बांधा नहीं जा सकता, इसका कोई तय नियम नहीं होता। प्रेम समर्पण है, अपनापन है और सबसे बढ़कर प्रेम 'मैं' नहीं, 'हम' होता है।

समझिए प्रेम के सही मायने

आप क्या वाकई जानना चाहती हैं कि 'प्रेम' क्या है? तो एक छोटी-सी घटना सुनिए। कुछ दिन पहले अभिनेत्री जाह्नवी कपूर का एक साक्षात्कार देखा, जिसमें वह अपने पिता बोनी कपूर के साथ बैठी थीं। बोनी ने जाह्नवी को बताया कि उनकी मां (अभिनेत्री श्रीदेवी) चाहती थीं कि वह अपना वजन कम करें, इसलिए वह उन्हें टहलने के लिए प्रेरित करती थीं। श्रीदेवी की जिद पर एक दिन वह उनके साथ टहलने जाने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने जूते तो पहन लिए, पर झुककर फीते बांधना उनके लिए सहज नहीं था। बिना कुछ कहे ही श्रीदेवी ने उनकी इस परेशानी को समझ लिया और उनके जूतों के फीते बांध दिए। बोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अरे, यह तो ढीला है।' जब श्रीदेवी ने दोबारा बांधा, तो उन्होंने फिर कहा, 'यह तो बहुत टाइट हो गया।' यह सिलसिला यूं ही कुछ देर चलता रहा, लेकिन इस पूरे समय श्रीदेवी बिना किसी अधीरता के, मुस्कुराते हुए, हर बार उनके जूतों के फीते ठीक करती रहीं।

इस घटना को पढ़कर आप चौंक गए न! स्वाभाविक भी है, क्योंकि आज की युवा पीढ़ी के लिए, विशेष कर लड़कियों के लिए तो ऐसा कुछ करना उनके आत्मसम्मान के खिलाफ होगा या इससे भी बढ़कर वह इसे पति की गुलामी का नाम देंगी। एक उदाहरण और, बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाली अनुराधा को एक दिन किसी कारणवश बैंक जाने में देरी हो रही थी, वह हड़बड़ा गई। तभी उसे यह भी ध्यान आया कि उसके कपड़े प्रेस नहीं हैं। अनुराधा की यह परेशानी उसके चेहरे पर aझलकने लगी। उसके पति, जो एक बड़े सरकारी अधिकारी हैं, बिना उसके कुछ कहे ही उसकी हड़बड़ाहट देखकर सब समझ गए और उसके कपड़ों पर प्रेस कर दिए, बिना कुछ कहे-सुने। अपने साथी की उलझन को समझना और उसे मुस्कुराते हुए सुलझा देना ही प्रेम है। अनुराधा को याद नहीं कि कितनी बार जल्दी में वह खाना छोड़कर निकलना चाहती है, तो पति स्वयं तैयार होते-होते भी उसके मुंह में रोटी का कौर रख देते हैं और कहते हैं, 'घर से भूखे नहीं निकलना चाहिए।' यकीनन बहुत सारे लोगों के लिए यह दृश्य बिल्कुल भी सहज नहीं है, क्योंकि आदमी की जो छवि समाज ने गढ़ी है, यह उसके बिल्कुल विपरीत है। पर सच्चा प्रेम यही तो है, बिना किसी की परवाह किए सिर्फ अपने साथी के लिए जीना। जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे को सहारा देना और बिना कुछ कहे एक-दूसरे की पीड़ा को समझना।

प्रेम कब तोड़ता है दम

प्रेम तब दम तोड़ने लगता है, जब हम एक-दूसरे के साथ मुस्कुराना छोड़ देते हैं, एक-दूसरे की परवाह करना छोड़ देते हैं और एक-दूसरे के दर्द को समझने की कोशिश नहीं करते। इसी के साथ जब हमारे भीतर सिर्फ 'मैं' ही प्रमुख हो जाता है, तब रिश्ते के जीवित रहने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। हमें यह समझना होगा कि किताबों में लिखी हुई 'नारी स्वतंत्रता', 'नारी मुक्ति' की परिभाषाएं और समाज द्वारा सिखाई गई 'मर्दानगी' की कहानियां प्रेम की गहराई के सामने टिक नहीं पातीं, क्योंकि प्रेम इन सब से बहुत ऊपर होता है।

प्रेम में 'मैं' नहीं 'हम'

'प्रेम' जीवन है, इसे किसी भी वस्तु से खरीदा नहीं जा सकता, ना ही इसे विवश करके पाया जा सकता है। इसे पाने का केवल एक ही रास्ता है, और वह है 'मैं' का त्याग। तो चलिए प्रेम को जीते हैं और 'मैं' को किसी ऐसी गली छोड़ आते हैं, जो कभी 'हम' तक वापस ना आ सके।

क्या आप भी अपने बच्चे का हद से ज्यादा ख्याल रखते हैं

कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत ज्यादा प्रोटेक्ट करते हैं, इस तरह ओवरप्रोटेक्शन से बच्चों का कॉन्फिडेंस कमजोर होता है। वे अपनी छोटी से छोटी प्रॉब्लम से भी घबरा जाते हैं। आपके बच्चे स्ट्रॉन्ग बनकर जीवन में सफल रहें, इसके लिए जरूरी है उन्हें बहुत ज्यादा लाड़-प्यार ना दें, उन्हें सेल्फ डिपेंड बनाएं। यह उनके व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत जरूरी है।

परवरिश

ललिता गोयल

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं कि उनके बच्चे को कभी भी किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़े। इस चाहत में कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हद से ज्यादा लाड़-प्यार या ओवरप्रोटेक्ट करते हैं। लेकिन इस तरह ओवरप्रोटेक्शन यानी ओवर पैंपरिंग बच्चों को इंडिपेंडेंट बनने से रोक सकती है। आगे चलकर बच्चे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हो जाते हैं।

संतुलित रखें अपना लाड़-प्यार: बचपन सिर्फ बच्चों के खेलने, आराम करने और पैरेंट्स की छत्रछाया में सुरक्षित रहने का समय नहीं होता है। यह वह समय भी होता है, जब वे सीखने और मजबूत बनने के प्रोसेस में होते हैं। इस प्रोसेस में अगर हर बार पैरेंट्स बच्चे के लिए सब कुछ कर देंगे, तो बच्चा जीवन के उतार-चढ़ाव को संभालने की क्षमता विकसित नहीं कर पाएगा। बड़ा होकर वह छोटे-छोटे फेलियर से डरने लगेगा या बहुत जल्दी हार मान लेगा, क्योंकि उसने कभी निराशा, इंतजार या संघर्ष को अनुभव ही नहीं किया होता है। कोई भी चीज हद से ज्यादा हो तो फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाती है। इसलिए बच्चों का लाड़-प्यार भी हमेशा संतुलन में होना चाहिए।

बच्चों का विकास रुकता है: बच्चे का ज्यादा ख्याल रखना या ओवर-प्रोटेक्शन, बच्चों के विकास को रोक सकता है। ऐसे बच्चे आत्मनिर्भर नहीं बन पाते, समस्याओं का सामना करने से डरते हैं, चुनौतियों का सामना करने में खुद को असमर्थ महसूस करते हैं। हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान माता-पिता द्वारा किए जाने पर बच्चों को अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। वे भविष्य में मुश्किल परिस्थितियों में घबरा जाते हैं। ऐसे बच्चे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहने लगते हैं और अपनी उम्र के अनुसार जिम्मेदारियां नहीं सीख पाते।

प्यार जताएं-बिगाड़ें नहीं: बच्चे को आरामदायक माहौल दें लेकिन उनकी हरेक डिमांड पूरी न करें। उसे 'ना' सुनना भी सिखाएं, क्योंकि हर मांग पूरी करने से बच्चे जिद्दी हो सकते हैं। अपनी मांग पूरी करवाने के लिए वे कोई गलत कदम भी उठा सकते हैं।

जिम्मेदारियां सौंपें-आत्मनिर्भर बनाएं: बचपन से बच्चे को आत्मनिर्भर बनाएं। जब बच्चा खेलने के बाद अपने खिलौने समेटने की कोशिश करे, तो उसे समेटने दें। खुद न समेटें, जब पैरेंट्स बच्चे के सारे काम खुद करते हैं या उसे हर परेशानी से बचाते हैं, तो वह कभी-भी अपनी समस्याएं खुद सुलझाना नहीं सीख पाता। जो बच्चे हमेशा सुरक्षित माहौल में रहते हैं, वे जीवन में छोटी-मोटी हार या असफलता का सामना नहीं कर पाते। इसलिए उनकी उम्र के अनुसार उन्हें घर के छोटे-छोटे काम जैसे पौधों में पानी डालना, फ्रिज में पानी की बोतल भर का रखना खुद करने दें। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे।

गलतियों से सीखने दें: बच्चों से कोई गलती होने पर उसे बचाने के बजाय उन्हें अपनी बात रखने दें, अपनी गलतियों के लिए जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को सही गाइडेंस, इमोशनल सपोर्ट और सीमित आजादी के साथ अपने अनुभवों से सीखने का मौका दें। बच्चों को गलतियां करने दें और उनसे सीखने का मौका दें। प्यार का मतलब केवल सुरक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को उनके आने वाले जीवन के लिए तैयार करना भी होता है।

बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाएं: बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना उन्हें प्यार और सुरक्षा देना, इसलिए पैरेंट्स को बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि असफलता भी जीवन का हिस्सा है। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।

(साइकोलॉजिस्ट डॉ. श्रुति शर्मा से बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग

अनु आर.

अगर आपके पास गार्डेनिंग के लिए ज्यादा स्पेस नहीं है तो भी अपनी बालकनी में आप मिनी बालकनी गार्डेन बना सकती हैं। इसके लिए क्या करना होगा, जानिए।

हरियाली से भर उठेगा आपका मिनी बालकनी गार्डेन

हालांकि अभी उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में मानसून की बारिश शुरू नहीं हुई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही बारिश शुरू हो जाएगी। पहली बारिश की बूंदें केवल धरती को ही नहीं मन को भी तरोताजा कर देती हैं। यही वह समय होता है, जब पौधे तेजी से बढ़ते हैं। इसीलिए बागवानी का शौक रखने वालों को यह मौसम सबसे अच्छा लगता है। लेकिन शहरों में फ्लैट्स या छोटे मकानों में रहने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या होती है, किचेन गार्डेन के लिए पर्याप्त जगह का न होना। सवाल है, क्या फिर जिनके पास अपने आंगन में या घर के बाहर किचेन गार्डेन की जगह नहीं है, वे गार्डेनिंग के अपने शौक को मन में ही दबाकर रखें? ऐसा नहीं है। लगभग सभी फ्लैट्स में बालकनी तो होती ही है। आने वाले बारिश के दिनों में यही बालकनी, प्रकृति से जुड़ने का एक आसान जरिया बन सकती है।

मिनी बालकनी गार्डन का ट्रेंड: इन दिनों बड़े शहरों में, खासतौर पर मल्टीस्टोरे अपार्टमेंट्स में मिनी बालकनी मानसून गार्डन का नया चलन तेजी से शुरू हुआ है। इसमें छोटी-सी बालकनी को भी कुछ गमलों, लटकने वाले पौधों और मौसमी सब्जियों के पौधों के जरिए एक प्यारी-सी हरी-भरी दुनिया में तब्दील किया जा सकता है। यह केवल घर की सुंदरता को नहीं बढ़ाता बल्कि आपकी मानसिक शांति, ताजी हवा और ताजा भोजन का स्रोत भी बनता है। आने वाले बारिश के दिन आपके मिनी बालकनी गार्डन को तैयार करने में बहुत सहायक हो सकते हैं।

लगाएं ये पौधे: अगर आप पहली बार अपनी छोटी-सी बालकनी को मानसून गार्डेन में तब्दील कर रही हैं, तो ऐसे पौधों को चुनें, जिनकी देखभाल करनी बहुत आसान है। मसलन तुलसी, पुदीना, हरी धनिया, हरी मिर्च, करीपत्ता। ये पौधे सिर्फ बालकनी की हरियाली में इजाफा नहीं करते बल्कि ये आपकी रसोई में नए-नए स्वादों का इजाफा भी करते हैं। जहां तक फूलों की बात है तो इस मौसम में गेंदा, जिनिया, बालसम और सदाबहार के पौधे अच्छी वृद्धि करते हैं। इनके रंग-बिरंगे फूल बालकनी को हरियाली के साथ रंगीन भी बना देते हैं।

वर्टिकल गार्डेनिंग है ऑप्शन: छोटी बालकनियों में ज्यादा पौधे लगाने के लिए वर्टिकल गार्डेन एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें पौधों को दीवारों, स्टैंड या लटकते गमलों में लगाया जाता है। इस तकनीक में पौधे जगह बहुत कम घेरते हैं। पुराने प्लास्टिक कंटेनर, बोतलें और लकड़ी के बक्सों का रचनात्मक प्रयोग भी वर्टिकल गार्डेन स्टैंड के रूप में किया जा सकता है।

इस बात का रखें विशेष ध्यान: बारिश के पानी में प्राकृतिक उर्वरता होती है। इसलिए इसमें पौधे न सिर्फ खूब हरे भरे रहते हैं बल्कि तेजी से बढ़ते भी हैं। हालांकि लगातार बारिश होने पर पौधों के गमलों में अगर ज्यादा पानी इकट्ठा हो जाए तो उसे तुरंत निकाल देना चाहिए, नहीं तो पौधों को नुकसान होता है।

मिलते हैं ये फायदे: यह छोटा-सा गार्डन हमारे मन को प्रसन्न रखता है, हमारी सोच को सकारात्मक बनाता है और हमें तरोताजगी से भरता है, जिसमें हम थकते नहीं बल्कि उत्साह से भरे रहते हैं। इसकी वजह से घर और भी खूबसूरत दिखता है।

मेकअप

नीलोफर

तेजी से हो रहा पॉपुलर नो-मेकअप लुक

उमस भरी गर्मी का यह मौसम स्किन पर भी प्रभाव डालता है। बार-बार होने वाला पसीना और वातावरण में बढ़ी नमी के कारण चेहरे पर मेकअप टिक नहीं पाता है। इसीलिए इस सीजन के लिए नो-मेकअप लुक का ट्रेंड पॉपुलर हो रहा है।

क्या है नो-मेकअप लुक: नो-मेकअप लुक का मतलब मेकअप बिल्कुल न करना नहीं होता है। इसका मतलब है, त्वचा को इतना स्वस्थ और स्वाभाविक रूप से चमकदार बनाना कि बिना हैवी मेकअप के भी वह आकर्षक दिखाई दे। यह लुक वास्तव में चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को उभारता है और त्वचा को सांस लेने का मौका देता है। इसलिए उमस भरी गर्मी और बारिश के दिनों में सुंदर दिखने का सबसे सरल तरीका है, त्वचा की बुनियादी देखभाल पर ध्यान देना।

त्वचा साफ, हाइड्रेटेड हो और स्वस्थ हो तो उसे छुपाने के लिए अधिक मेकअप करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

इसलिए हो रहा पॉपुलर: नो-मेकअप लुक इसलिए भी पॉपुलर हो रहा है क्योंकि आज बहुत सारी महिलाएं केवल कॉस्मेटिक्स पर निर्भर रहने की बजाय अपने नेचुरल लुक को स्वीकार करने लगी हैं। जब किसी विशेष अवसर पर थोड़ा मेकअप करना भी हो तो केवल टिंटेड मॉयश्चराइजर, हल्का कॉम्पैक्ट पावडर, मस्कारा और लिप बाम लगाना ही पर्याप्त होता है।

करें प्रॉपर क्लीनिंग: नो-मेकअप लुक के लिए, मेकअप की शुरुआत से पहले चेहरे की सफाई करें। इन दिनों की उमस और आने वाले बारिश के मौसम में भी धूल के साथ नमी, त्वचा के रोमछिद्रों में जमा हो जाती है। इसे हटाने के लिए ऐसा फेशवॉश चुनें, जो त्वचा को साफ करे, लेकिन उसका नेचुरल मॉयश्चर न हटाए। इसके बाद हल्का मॉयश्चराइजर लगाएं। उमस में नमी की कमी होने पर त्वचा और अधिक तेल बनाने लगती है, इसलिए ऑयल फ्री मॉयश्चराइजर बेहतर विकल्प है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं: अभी तो तेज धूप हो ही रही है, बारिश के मौसम में भी बादलों के पीछे छिपा सूरज त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का नियमित उपयोग करना चाहिए। यह त्वचा को टैनिंग, पिग्मेंटेशन और समय से पहले बूढ़ा दिखने से बचाती है। सनस्क्रीन नो मेक-अप ग्लो को बरकरार रखने में मददगार होती है।

ये उपाय भी हैं कारगर: इस उमस भरे मौसम में कुछ सरल उपाय से आपको नो-मेकअप लुक कैरी करने में मदद मिलती है। जैसे दही और बेसन का फेस पैक त्वचा की सफाई करता है। शहद त्वचा को नमी प्रदान करता है, जबकि गुलाब जल ताजगी का एहसास देता है। हालांकि किसी भी घरेलू उपाय का उपयोग करने से पहले त्वचा की संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। जो उपाय किसी पर अच्छा असर देता है, जरूरी नहीं कि दूसरे पर भी वही परिणाम दे।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रेनू अग्रवाल

गायनेकोलॉजिस्ट

बढ़ती उम्र में सभी महिलाओं, खासतौर पर सिंगल वूमेन को अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहना चाहिए। आपके भीतर पनप रही किसी बीमारी का शुरुआती स्टेज में ही पता चल जाए, इसके लिए रेग्युलर कुछ चेकअप और टेस्ट कराना जरूरी है। कौन से हैं ये टेस्ट, आपको जरूर जानना चाहिए।

सिंगल वुमेन न बरतें लापरवाही जरूर करवाएं ये मेडिकल टेस्ट

अधिकांश महिलाएं पूरे घर के लोगों की सेहत का ध्यान रखती हैं लेकिन जब अपनी सेहत की देखभाल की बारी आती है तो वे खुद को अकसर इग्नोर करती हैं। फैमिली के साथ रहने वाली महिलाओं का ध्यान रखने के लिए तो फिर भी अन्य सदस्य होते हैं लेकिन सिंगल वुमेन (जो शादी नहीं करतीं या तलाक ले चुकी हैं या विडो हैं) में उम्र बढ़ने पर अकेलेपन के कारण तनाव का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे उनमें कई हेल्थ इश्यूज होने की आशंका तक बढ़ जाती है। इसलिए सिंगल वुमेन को समय-समय पर जरूरी मेडिकल टेस्ट अवश्य करवाते रहना चाहिए ताकि बीमारी का पता चलने पर उसका समय रहते उपचार कराया जा सके।

पैप स्मीयर टेस्ट: यह टेस्ट सर्वाइकल कैंसर यानी गर्भाशय के कैंसर का पता लगाने के लिए सबसे प्राथमिक और प्रभावी तरीका होता है। इस टेस्ट को 21 वर्ष की आयु के बाद हर 3 साल में जरूर करवाना चाहिए।

बोन डेंसिटी टेस्ट: बोन डेंसिटी टेस्ट में एक विशेष प्रकार के एक्स-रे के द्वारा स्पाइन, कलाइयों, कूल्हों की हड्डियों की डेंसिटी मापकर इनकी शक्ति का पता लगाया जाता है ताकि हड्डियों के कमजोर होने या टूटने से पहले ही उनका उपचार किया जा सके।

ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग-मैमोग्राम : इस टेस्ट से ब्रेस्ट कैंसर होने का पता लगाया जाता है। इस टेस्ट को 40 वर्ष की आयु से हर 1 या 2 साल में डॉक्टर की सलाह पर करवाना चाहिए। इस टेस्ट में क्लीनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन (सीबीई) में स्तन कैंसर की जांच की जाती है।

ब्लड प्रेशर टेस्ट: हार्ट को हेल्दी रखने के लिए नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच बहुत जरूरी होती है। अगर ब्लड प्रेशर 140/90 से अधिक है तो दिल पर दबाव पड़ता है, जिससे ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक और किडनी फेल होने की आशंका बढ़ जाती है। यह टेस्ट साल में 1 बार जरूर कराएं।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट: महिलाओं में थायरॉइड असंतुलन की समस्या बहुत आम है, जिससे उनका वजन, मूड और पीरियड्स प्रभावित होते हैं। यह टेस्ट साल में एक बार करवाना चहिए।

ब्लड शुगर टेस्ट: 35 वर्ष की उम्र के बाद हर 3 साल में सिंगल वुमेन को फास्टिंग ब्लड शुगर और एचबीए1सी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। इस टेस्ट से रक्त में शुगर के स्तर का पता लगाया जाता है।

ओवेरियन सिस्ट टेस्ट: पेट के निचले हिस्से में दर्द, अनियमित मासिक धर्म, पीरियड्स के दौरान अत्यधिक ब्लीडिंग हो तो ओवेरियन सिस्ट का टेस्ट कराना चाहिए। छोटे आकार के सिस्ट अपने आप ठीक हो जाते हैं। सिस्ट 1 इंच से बड़ा हो तो ओवेरियन कैंसर होने की आशंका होती है।

कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग टेस्ट: इस टेस्ट से दिल की बीमारियों की चपेट में आने की संभावना का पता चलता है। यह टेस्ट 3 वर्ष में 1 बार करा लेना चाहिए। रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सामान्य से अधिक आता है, तो हर 6 से 12 महीने में यह टेस्ट कराना चाहिए।

प्रस्तुति: ललिता गोयल

खबर संक्षेप

हरियाणा में महिलाओं के लिए नई ऋण योजना शुरू

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए व्यक्तिगत ऋण योजना शुरू की है, जिसके तहत बैंकों के माध्यम से 1.50 लाख रुपए तक का ऋण दिलाने के व्यवस्था की गई है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से व्यक्तिगत ऋण योजना हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से चलाई जा रही है। डीसी ने बताया कि योजना के तहत जिले के लिए 74 केसों का लक्ष्य रखा गया है। एक लाख 80 हजार रुपए से कम वार्षिक आय वाली व हरियाणा की स्थायी निवासी महिला इस योजना के लिए पात्र होंगी।

मिड-डे मील कार्यकर्ताओं की रैली 24 जून को भिवानी में

रेवाड़ी। केंद्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी और स्कीम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबंधित मिड-डेमील कार्यकर्ता यूनियन की ओर से मांगों को लेकर आगामी 24 जून को भिवानी के नेहरू पार्क में प्रदेश स्तरीय रैली एवं प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश भर की मिड-डेमील कार्यकर्ता शामिली होंगी। यूनियन की जिला प्रधान भतेरी देवी व सचिव मुनेश देवी ने बताया कि भिवानी रैली में रेवाड़ी से सैकडों कार्यकर्ता शामिल होगी।

जनता की समस्याओं का तय समय में करें निपटारा

महेंद्रगढ़। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए सोमवार को डीसी अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसडीएम योगेश सैनी ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को एक तय समय सीमा के भीतर उनका निपटारा करने के सख्त निर्देश दिए। एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाधान शिविर में बिजली, पानी, अवैध कब्जे हटाने सहित अनेक शिकायतें सुनी और संबंधित विभाग को उनके समाधान बारे निर्देश दिए।

महेंद्रगढ़ में सफाई समस्या का तुरंत समाधान हुआ

महेंद्रगढ़। नगर की सफाई व्यवस्था को लेकर महेंद्रगढ़ के उप मंडल अधिकारी (एसडीएम) योगेश सैनी एवं नगर पालिका की उप प्रधान मंजू कौशिक के सहयोग से वार्ड नंबर 14, सिनेमा रोड स्थित गली में लंबे समय से पड़े गंदगी के ढेर को तत्काल प्रभाव से हटवा दिया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त स्थान पर काफी समय से कूड़ा जमा होने के कारण क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। हाल ही में हुई बारिश के बाद वहां से उठने वाली दुर्गंध से पूरे मोहल्ले का वातावरण प्रभावित हो रहा था। स्थानीय नागरिकों द्वारा समस्या से अवगत करवाए जाने पर प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाई और जमा कूड़े को हटवा दिया।

विभिन्न गांवों और शहर से आई प्रमुख शिकायतें

शिविर में बिजली, पानी और जोहड़ की सफाई की शिकायतों पर सुनवाई

अधिकतर शिकायतों का मौके पर निवारण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनते हुए डीसी अभिषेक मीणा। फोटो : हरिभूमि

डीसी अभिषेक मीणा ने सोमवार का लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनीं। समाधान शिविर में गांव जैतपुर शेखपुर में जोहड़ की सफाई नहीं होने, गांव मांढैया खुर्द की ढाणी में पानी की सप्लाई नियमित रूप से नहीं होने, गोलियाका गांव में खेतों में बिजली के कनेक्शन लगवाने, गांव सुनारिया में किसान को फसल का मुआवजा नहीं मिलने सहित शहर के महावीर नगर में सीवरेज जाम की शिकायत पर अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए गए। समाधान शिविर में फैमिली आईडी, पेंशन, पेयजल व पुलिस से संबंधित शिकायतें भी आईं, जिनमें से अधिकतर का मौके पर निवारण किया गया। डीसी मीणा ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का समाधान प्राथमिकता से कराया जाए। वहीं शिकायतों के निवारण से संबंधित रिपोर्ट पर समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड करें। इस मौके पर एडीसी राहुल मोदी, जिला नगर आयुक्त ब्रह्मप्रकाश, एसडीएम सुरेश कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार व डीएसपी रविंद्र सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

जन शिकायतों का निवारण करने में किसी प्रकार की ढिलाई न बरतें अधिकारी

कोसली। कोसली के एसडीएम विजय कुमार यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन शिकायतों का निवारण करने में किसी प्रकार की ढिलाई न बरतें। जलापूर्ति, सीवरेज जाम, बिजली आपूर्ति, परिवार पहचान पत्र, अंत्योदय व लाइसेंस बनवाने से संबंधित किसी नागरिक को परेशानी है तो तत्काल प्रभाव से निवारण करें। एसडीएम सोमवार को लघु सचिवालय परिसर में समाधान शिविर के दौरान जनसमस्याओं की सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने उपमंडल के विभिन्न गांवों से आए नागरिकों की शिकायतें सुनी। उन्होंने कहा कि प्रशासन और साथ में सभी सरकारी विभागों की यह जिम्मेदारी बनती है कि आम जनता को बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा सेवा जैसी मूलभूत सुविधाएं निर्बाध गति से मिलती रहे। उन्होंने कहा कि साधारण एफिडेविट बनवाए जाने के मामलों में सरल केंद्र के कर्मचारी सरपंच या नंबरदार को साथ में फोटो खिंचवाने के लिए न बुलाएं। कोई मामला संदिग्ध दिखाई देता है तो उसमें कर्मचारी सरपंच या नंबरदार को बुला सकते हैं।

सैन समाज उत्थान समिति ने किया संगठन विस्तार

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद सैन समाज के लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सैन समाज उत्थान समिति की ओर से सोमवार को गांव रोझुवास में बैठक का आयोजन किसा गया। बैठक की अध्यक्षता अर्जुन सिंह ने की। बैठक में सैन समाज को संगठित करने और समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। सभी वक्ताओं ने समाज को सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूत और संगठित करने पर जोर दिया। इस मौके पर समिति का विस्तार करते हुए नए पदाधिकरियों की नियुक्तियां की गई की गई, जिसमें बिहारीपुर से सुरेश सैन, जाटूसाना से राजकुमार सैन, सुमाखेड़ा से जसवंत सैन, रोझूवास से जितेंद्र सैन, नैनसुखपुरा से कंवर सिंह सैन, बोहतवास से नित्यानंद सैन, कमालपुर से रामपाल सैन, हरजीपुर से हनुमान सैन व जैतपुर से राजेन्द्र सैन को समिति का ग्राम प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। इनके अलावा गोबिंद सिंह सैन को जाटूसाना ब्लॉक प्रधान तथा सुरेश कुमार सैन को ब्लॉक उपप्रधान नियुक्त किया गया।

ये रहे मौजूद

बैठक में समिति प्रधान सुरेन्द्र पाल सैन खरखड़ा, सचिव ओमप्रकाश सैन गोठड़ा पाली, अजय कुमार सैन जाटूवास, जितेंद्र सैन रोझूवास, विकास सैन बोहतवास, श्रीराम सैन रोजुवास, हरद्वारी लाल सैन जलालपुर, विनोद सैन बोहतवास, श्याम सैन जाटूसाना, ईश्वर सैन जाटूसाना, कंवर सिंह सैन, श्रीकृष्ण सैन, राजेन्द्र सैन जैतपुर, गोबिंद सैन जाटूसाना, जसवंत सिंह सुमाखेड़ा, रतन लाल सैन खलीलपुर, अशोक कुमार सैन, कंवर सिंह सैन नैंसुखपुरा, नरेश सैन भिवानी, संदीप सैन मंगलेश्वर, मनोज कुमार सैन सुमाखेड़ा, महेंद्र सिंह सैन सुमाखेड़ा, सुमेर सिंह सैन सुमाखेड़ा, प्रदीप कुमार सैन जाटूसाना, हनुमान सैन हरजीपुर, सुरेश कुमार बिहारीपुर व रामपाल सैन कमालपुर उपस्थित थे।

गंभीरता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से करें मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य: एडीसी

■ एडीसी राहुल मोदी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। सचिवालय में बैठक लेते हुए एडीसी राहुल मोदी।

एडीसी राहुल मोदी ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की सफलता के लिए जिलेभर में व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। सभी विभाग इस कार्य में पूरी सक्रियता से अपनी जिम्मेदारी निभाएं। एडीसी मोदी ने सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में एसआईआर अभियान के क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों व शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। एडीसी ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से किया जाए। इसमें संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि स्वीप गतिविधियों के तहत शिक्षण संस्थानों में अभियान को लेकर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाए। इसके साथ लिटरेसी क्लब एवं चुनाव पाठशालाओं के माध्यम से ऐसे युवाओं का पंजीकरण करें, जो 1 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर मतदाता बनने के पात्र हो।

आईजीयू में स्नातकोत्तर कोर्सों में एडमिशन के लिए आवेदन की तिथि 30 तक बढ़ाई

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में संचालित विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 जून कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी विवि के शैक्षणिक विभागों के स्नातकोतर पाठ्यक्रमों एलएलबी, एलएलएम, एमकॉम, एमए (हिंदी, इंग्लिश, संस्कृत, इतिहास, योगा, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, एमएससी (गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जैव एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान, भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, साइकोलॉजी), एमफार्मा (फामार्कोग्नोसी), मास्टर ऑफ सोशल वर्क, एमसीए, मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी के कोर्सों में 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रोफेसर सुनील कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी तथा प्रवेश एकेडमिक मेरिट के आधार पर दिया जाएगा।

प्रोफेसर सुनील कुमार।

योग व योगासन खेल की घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

■ घोषणाओं में कक्षा 3 से 9 तक योग शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करना शामिल है।

रेवाड़ी। हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव व जिला योगासन खेल संघ जिला इकाई के अध्यक्ष डा. युद्धवीर ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय योग समारोह में योग व योगासन खेलों के लिए की गई घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है। उन्होंने कक्षा 3 से 9 तक योग शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करने, विद्यालयों के शिक्षकों को विशेष योग प्रशिक्षण देने, एचएसएससी एवं एचपीएससी परीक्षाओं में योग संबंधी प्रश्न शामिल करने, मोरनी में प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग संस्थान स्थापित करने, योगासन को खेल नीति में शामिल करने तथा आयुष योग प्रशिक्षकों व निरीक्षकों के रिक्त पदों को भरने की घोषणाओं का स्वागत किया है। एसोसिएशन के महासचिव नितिन कुमार ने कहा कि ये घोषणाएं केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं हैं, बल्कि हरियाणा में योग, संस्कार और भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण की आधारशिला हैं। इन निर्णयों से प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं युवाओं को लाभ मिलेगा तथा योगासन खेल को नई ऊंचाइयां प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष एवं योगासन भारत के महासचिव डा. जयदीप आर्य के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश योग के क्षेत्र में निरंतर नई उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है। योगासन खेलों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहचान दिलाने में भी उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

डा. युद्धवीर।

डीएसपी व ट्रैफिक थाना प्रभारी ने ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को दिए निर्देश

5 दिन में लगवानी होगी पुलिस की पहचान प्लेट, नहीं तो होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। ऑटो यूनियन की मीटिंग लेती डीएसपी डा. कविता। फोटो: हरिभूमि

स्थानीय न्यायालय परिसर में आयोजित बैठक के बाद डीएसपी डा. कविता तथा ट्रैफिक थाना प्रभारी भगत सिंह ने ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बैठक में स्पष्ट किया गया कि सभी ऑटो और ई-रिक्शा पर पुलिस विभाग द्वारा जारी पहचान प्लेट तथा जीपीएस लगाना अनिवार्य होगा। यह दिशा–निर्देश बढ़ते क्राइम पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जारी किए गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि जिन वाहनों पर अभी तक निर्धारित प्लेट नहीं लगी है, वे अगले पांच दिनों के भीतर प्लेट लगवा लें। निर्धारित समय सीमा के बाद बिना प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश शहर और ग्रामीण क्षेत्र में संचालित सभी ऑटो व ई-रिक्शा पर समान रूप से लागू होगा। इसके अलावा सभी ऑटो और ई-रिक्शा में जीपीएस सिस्टम लगाना भी अनिवार्य किया गया है। वाहन चालकों को चेकिंग के दौरान अपने सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑटो यूनियन के प्रधान अमित चौहान ने बताया कि प्लेट संबंधी जानकारी और अन्य आवश्यक औपचारिकताओं के लिए चालक यूनियन पदाधिकारियों अमित चौहान एवं जीतू भाई से संपर्क कर सकते हैं।

महेन्द्रगढ़-रेवाड़ी मार्ग पर पुल निर्माण के चलते 30 अक्टूबर तक रुटडायवर्ट

■ वाहन चालक वैकल्पिक मार्गों का करें प्रयोग : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की ओर से ग्राम उन्हानी के निकट रामपुरी डिस्ट्रीब्यूट्री आरडी 3.153 पर एक नए पुल का निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने इस विकासात्मक कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए महेन्द्रगढ़-रेवाड़ी मार्ग (स्टेट हाईवे-24) को आगामी 30 अक्टूबर तक अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश पारित किए हैं। आमजन और वाहन चालकों की सुविधा तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन की ओर से व्यापक स्तर पर वैकल्पिक डायवर्जन मार्गों का प्रबंध किया गया है। आदेशों के अनुसार हल्के वाहनों के लिए विभिन्न वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई है। इसके तहत वाहन चालक दादरी रोड से मार्केटिंग कमेटी रोड और सिहोर रोड होते हुए कनीना-महेन्द्रगढ़ मार्ग का उपयोग कर सकते हैं।

बैरिकेडिंग व सुरक्षा के इंतजाम सुनिश्चित करें

नारनौल। उपायुक्त अनुपमा अंजली।

पुलिस अधीक्षक और उप-मण्डल अधिकारी नारनौल की रिपोर्ट के आधार पर इस डायवर्जन प्लान को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्माण स्थल और डायवर्जन मार्गों पर अनिवार्य रूप से पर्याप्त यातायात संकेत बोर्ड, चेतावनी बोर्ड और मजबूत बैरिकेडिंग व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें। विभाग को यह कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर महेन्द्रगढ़-रेवाड़ी मार्ग को पुनः चालू स्थिति में लाने और निर्माण के दौरान सभी सुरक्षा नियमों व सरकारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि राहगीरों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

नेताजी सुभाष चंद्र पार्क में डीएसपी ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

पुलिस जागरूकता कार्यक्रम में नशा व साइबर अपराध पर चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पार्क में नागरिकों को जानकारी देते डीएसपी संजीव बल्हारा। फोटो : हरिभूमि

जिला पुलिस की ओर से सोमवार को नेताजी सुभाष चन्द्र पार्क में अपराध नियंत्रण, साइबर सुरक्षा और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर डीएसपी संजीव बल्हारा ने प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं, व्यापारियों और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों और बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। इस मौके भाड़ावास गेट चौकी इंचार्ज एसआई सुमन भी मौजूद रहीं। डीएसपी बल्हारा ने कहा कि नशा न केवल एक व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से बर्बाद करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को गर्त में धकेल देता है। उन्होंने युवाओं से नशे की लत से दूर रहने की अपील की। डीएसपी ने आज के डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपना बैंक ओटीपी, सीवीवी या पर्सनल पिन साझा न करें। लॉटरी का लालच देने वाले लिंक, फर्जी कोरियर सर्विस या अज्ञात वीडियो कॉल के झांसे में आने से बचें। यदि कोई साइबर ठगी का शिकार हो जाता है, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी लगाने पर जोर

डीएसपी ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए सीसीटीवी कैमरों के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी अपने घरों, दुकानों, मुख्य चौराहों और गली-मोहल्लों के मोड़ पर ज्यादा से ज्यादा उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगवाएं। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे न केवल अपराधों को रोकने में मददगार साबित होते हैं, बल्कि किसी भी वारदात के बाद अपराधियों को दबोचने में पुलिस के लिए सबसे अहम कड़ी बनते हैं।

भटसाना रोड पर पेड़ के सहारे लटका बिजली का खंभा बना हादसे का सबब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

धारूहेड़ा क्षेत्र के निकटवर्ती गांव भटसाना रोड पर एक पुराना बिजली का खंभा लंबे समय से पेड़ के सहारे लटका हुआ है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसे तुरंत हटाने की मांग की है। खरखड़ा गांव से भटसाना होते हुए नंदरामपुर बांस तक जाने वाली बिजली लाइन के नवीनीकरण के दौरान निगम ने नए खंभे स्थापित कर नई लाइन चालू कर दी, लेकिन पुराने खंभों को मौके से नहीं हटाए गए। इनमें से एक खंभा सड़क किनारे पेड़ के सहारे खतरनाक स्थिति में लटका हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात और तेज हवाओं के मौसम में यह खंभा कभी भी गिर सकता है, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के लोगों की जान-माल को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। समाजसेवी गजराज मैनेजर, रामकिशन फौजी व राम कुवार पटवारी ने बिजली निगम से मांग की है कि उपयोग में नहीं आने वाले पुराने खंभों को तुरंत हटाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि निगम की छोटी सी लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

सरपंच ग्राम पंचायत, सिहास
ब्लॉक जाटूसाना जिला रेवाड़ी 123401
जोहड़ में मछली पालन हेतु सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिहास, खण्ड जाटूसाना, जिला रेवाड़ी में जोहड़ में मछली पालन हेतु पट्टे पर दिया जाएगा। जिसकी बोली 30.06.2026 को प्रातः 10:00 बजे जनरल चौपाल में लगाई जाएगी। बाकी नियम व शर्तें मौके पर ही बता दी जाएंगी।
हस्ता/- नरेन्द्र कुमार, सरपंच, ग्राम पंचायत सिहास (नैनसुखपुरा)
खण्ड जाटूसाना (रेवाड़ी), मो. 9818330999

अफसरों में मची अफरा-तफरी, मौके पर फायर ब्रिगेड व विशेषज्ञ बुलाकर खोला कंटेनर

कंटेनर में आग से डिपो में हड़कंप फायर ब्रिगेड बुलाकर कराया खाली

अंदर रखी मशीन की बैट्री फटने की बात आई सामने

रेवाड़ी। कंटेनर में लगी आग बुझाते हुए दमकम कर्मी, सामान को बाहर निकलवाते कर्मचारी तथा कंटेनर से निकले सामान में उठता धुआं। फोटो : हरिभूमि

■ कंटेनर लेने आए ट्रक चालकों को कुछ समय तक इंतजार करना पड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर खोरी के पास इनलैंड कंटेनर डिपो प्रबंधन में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब पोर्ट से आए एक कंटेनर से धुआं निकलता दिखाई दिया। केमिकल रिसाव की आशंका को देखते हुए फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाकर कंटेनर खुलवाया गया। बाद में पता चला कि कंटेनर में लोड स्प्रे मशीनों में से एक मशीन की बैट्री फट गई थी, जिस कारण उससे धुआं निकला था। फायर ब्रिगेड ने कंटेनर में पानी डालते हुए उसे खाली कराया। इस ड्राई पोर्ट से बड़ी संख्या में कंटेनरों का आवागम होता है। सोमवार को सुबह के समय एक कंटेनर से हल्का धुआं निकलता दिखाई दिया। इसके बाद डिपो के अधिकारी अलर्ट हो गई। फायर ब्रिगेड को तुरंत गाड़ी भेजने को कहा गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। सूत्रों के अनुसार शुरू में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि कंटेनर में केमिकल हो सकता है, जिसके लीक होने से धुआं निकलता नजर आया है। इसके बाद अधिकारियों ने विशेषज्ञों की टीम मौके पर बुलाई।

भरी हुई थीं स्प्रे करने वाली मशीनें

कंटेनर खोलकर देखा तो उसमें दवाओं की छिड़काव करने वाली मशीनें भरी हुई थीं। इन मशीनों में से एक की बैट्री फट गई थी, जिसका धुआं कंटेनर के बाहर निकलना शुरू हो गया था। बैटी फटने के बाद आगजनी जैसी कोई घटना नहीं हुई, जिससे किसी तरह का नुकसान होने से टल गया।

अनलोडिंग का कार्य भी रहा बाधित

ड्राई पोर्ट पर केमिकल लीक की आशंका से लोडिंग-अनलोड़गि का कार्य कुछ समय के लिए रोक दिया गया। कंटेनर के पास से लोगों को दूर कर दिया गया। इस दौरान कंटेनर लेने आए ट्रक चालकों को भी कुछ समय तक इंतजार करना पड़ा। कंटेनर खोले जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

डिपो में बड़ा नुकसान होने से टला

अगर कंटेनर में लगी आग भीषण रूप धारण कर लेती तो इससे बड़ा हादसा हो सकता था। जिस जगह कंटेनर रखा हुआ था, उसके आसपास बड़ी संख्या में कंटेनर मौजूद थे। इन कंटेनर में ज्वलनशील सामान भी होता है। अगर आग कंटेनर के बाहर तक फैलती, तो वह सामान को अपनी चपेट में ले सकती थी।

सूचना पर तत्काल भेजी गई गाड़ी

केमिकल डिपो में कंटेनर से केमिकल लीक होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी को रवाना कर दिया गया था। बाद में पता चला कि कंटेनर में एक स्प्रे मशीन की बैट्री फटने से धुआं निकला था। इससे किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ।

फायर ब्रिगेड की मौजूदगी में कंटेनर को सावधानी से खोला गया। विशेषज्ञों की मौजूदगी में कंटेनर खोलते ही फायर ब्रिगेड ने पानी डालना शुरू कर दिया। इसके बाद कंटेनर का सामान बाहर निकाला गया। इस दौरान वहां मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों में अफरा-तफरी मची रही।

पुलिस प्रशासन ने चलाया स्वच्छता अभियान जवानों ने थाना-चौकियों में किया श्रमदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस प्रशासन की ओर से सोमवार को सामाजिक दात्यिव का निर्वहन करते पुलिस लाइन परिसर सहित जिले के सभी थाना व चौकियों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों व जवानों ने श्रमदान किया। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि साफ सफाई से न केवल पर्यावरण शुद्ध होता है, बल्कि इससे मनुष्य का मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ परिसर एक सकारात्मक माहौल तैयार करता है, जो कार्य कुशलता को भी बढ़ाता है, जिससे काम करने की क्षमता भी बढ़ती है। एसपी ने कहा कि सभी को श्रमदान करना चाहिए। एसपी ने कहा कि नियमित साफ-सफाई से कार्यस्थल बेहतर होता है और यह अनुशासन एवं जिम्मेदारी का प्रतीक भी बनता है।

रेवाड़ी। सिटी थाने में सफाई अभियान चलाते हुए जवान। फोटो : हरिभूमि

वातावरण को स्वच्छ बनाए

एसपी ने कहा कि आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखना सभी का दायित्व है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी अति आवश्यक है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छ वातावरण के साथ-साथ समाज को यह संदेश देना है कि स्वच्छता सिर्फ सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास सफाई का विशेष ध्यान रखें।

महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

रेवाड़ी। कर्मसेतु फाउंडेशन की नारीशक्ति पहल के अंतर्गत सोमवार को झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाली महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर फाउंडेशन की ओर से महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरित किए गए और मासिक धर्म स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया। संस्था के निदेशक सुरेंद्र सिंह ने बताया कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें आवश्यक स्वच्छता संसाधन उपलब्ध कराना था। मुख्य वक्ता डा. दीपाली कौशिक ने उपस्थित महिलाओं को मासिक धर्म से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, पोषण, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा समाज में प्रचलित भ्रांतियों को दूर करने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों से जुड़े इंटर्न्स रुचिका, पारुल व ख्वाहिश मौजूद रही।

ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों, साइबर अपराधों से बचाव व ट्रैफिक नियमों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने सोमवार को गांव जड़थल व पचगांव में अभियान चलाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव व ट्रैफिक नियमों की भी जानकारी दी। इस अवसर पर निरीक्षक रामपाल ने कहा नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। उन्होंने ग्रामीणों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया गया। पुलिस टीम ने कहा कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी हासिल करके ठगी को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। उन्होंने ग्रामीणों ने यातायात नियमों का पालन करने की भी अपील की। नशा मुक्ति टीम ने कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति हो तो तुरंत डायल 112 पर सूचना दें। इसके अलावा नशा गतिविधियों की सूचना मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करें। सभी ग्रामीणों ने नशा और साइबर अपराधों से दूर रहने की शपथ भी ली।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

लायंस क्लब ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लायंस क्लब की ओर से अंतरराष्ट्रीय संगीत दिवस के उपलक्ष्य में लायंस भवन मॉडल टाउन में सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम क्लब के अध्यक्ष लायन ऋषि सिंहल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय भार्गव सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल भार्गव थे। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट चेयरमैन रितेश भार्गव, सचिव अभिषेक गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान योगाचार्य डा. अनिल कुमार की ओर से लिखित पुस्तक योगमय जीवन का लोकार्पण भी किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। साहित्य क्षेत्र के लिए सत्यवीर नाहड़िया, समाज सेवा के लिए एडवोकेट राजीव गुप्ता, चिकित्सा क्षेत्र के लिए डा. राहुल सिंगला, शिक्षा क्षेत्र के लिए संगीता यादव तथा महिला सशक्तिकरण के लिए रितिका को उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में रितिका खुराना को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम में ये मौजूद रहे

कार्यक्रम में आलोक सिंहल, ओपी गुप्ता, राकेश गर्ग, संदीप गोयल, अनिल गोयल, जितेश गोयल, सचिन गुप्ता, मोहित गोयल, हेमंत सिंहल, लायंस भवन के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, विपिन भार्गव, उमेश गुलाटी व नीरज गर्ग सहित लायनेस शीला अग्रवाल, राजरानी गोयल, मोनिका सिंहल, अनुराधा सिंहल, बबीता गोयल, पल्लवी अग्रवाल व शेफाली गोयल सहित अनेक सदस्य मौजूद थे। मंच संचालन पूजा भार्गव और कल्पना अग्रवाल ने किया।

न्यूज डायरी

मॉडल टाउन थाना परिसर में सड़क मरम्मत की मांग

रेवाड़ी। शहर के मॉडल टाउन थाना परिसर में सड़क की दयनीय हालत बनी हुई है। सड़क की सुधारीकरण की मांग को लेकर सोमवार को समाजसेवी दारा सिंह ने समाधान शिविर में डीसी अभिषेक मीणा को शिकायत दी। उन्होंने थाना परिसर की सड़क की मरम्मत कराने की मांग की। उन्होंने बताया थाना परिसर में एंट्री करने पर कई स्थानों पर गड्ढे बन चुके हैं, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान परिसर में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिसके कारण थाना परिसर में आने वाले पीड़ति परिवारों, आम नागरिकों तथा पुलिस कर्मियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जिला प्रशासन से समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

25 तक दे सकते मतदान केंद्रों के रेशनेलाइजेशन संबंधी सुझाव

रेवाड़ी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार जिलेमें विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्यक्रम अनुसार मतदान केंद्रों के रेशनेलाइजेशन का कार्य किया जाना है। इससे पूर्व मतदान केंद्र बनाने व मतदान केंद्रों के भवन परिवर्तन से संबंधित सुझाव या प्रस्ताव लिए जाने है। कोई भी नागरिक लिखित रूप में 25 जून तक सुझाव या प्रस्ताव कार्यालय में दे सकते हैं, ताकि मतदान केंद्रों के रेशनेलाइजेशन के भेजे जाने वाले प्रस्ताव में शामिल करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा सकें।

राठ इंटरनेशनल स्कूल ने मनेठी में मनाया योग दिवस

कुंड। राठ इंटरनेशनल स्कूल कुंड की ओर से गांव मनेठी स्थित हनुमान मंदिर योग दिवस उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्कूल के चेयरमैन बलवान सिंह यादव, डा. संजय मेहरा और सरपंच देशराज ने संयुक्त रूप से किया। स्कूल के चेयरमैन ने करें योग-रहें निरोग का संदेश देते हुए सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर ग्रुप की डायरेक्टर शिवानी यादव, सेक्रेटरी नितेश यादव और अकादमिक डीन प्रियंका यादव ने भी उपस्थित रही। प्रिंसिपल पवन यादव ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग सर्वोत्तम एवं सरल उपाय है। इस मौके पर अतिथियों, ग्रामवासियों व विद्यालय परिवार के सदस्यों ने मंदिर प्रांगण में पौधरोपण भी किया।

भाकियू चढ़ूनी ने बिजली की समस्या को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कोसली। भारतीय किसान यूनियन चढ़नी के प्रतिनिधिमंडल ने सोवार को कार्यकारिणी प्रधान राजेंद्र कुमार गेरा के नेतृत्व में एसडीएम कोसली विजय कुतार यादव को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर यूनियन के प्रधान समय सिंह ने बताया पिछले काफी दिनों से कोसली में बिजली के तारों को बदलने का काम चल रहा है, जिसका करीब ढाई साल पहले टेंडर हो चुका है, लेकिन ठेकेदार की ओर से अभी तक आधे तार ही बदले गए है। आंधी-बरसात के मौसम में रोजाना तार टूट रहे है, जिससे किसानों को सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है। अधिकतर किसान ढाणियों में रहते हैं, जहां वोल्टेज भी बहुत कम आ रहा है। इस मौके पर चुन्नीलाल, वेद सुल्तानिया, हरफूल गुडियानी मनीषा यादव, कृष्ण सैनी, कमल सिंह, मुन्नी बूढ़पुर व सविता सहित अनेक किसान नेता मौजूद थे।

माहेश्वरी सभा ने हर्षोल्लास से मनाया वंशोत्पत्ति दिवस

रेवाड़ी। जिला माहेश्वरी सभा रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ की ओर से जिमखाना क्लब में माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा अध्यक्ष संदीप राठी ने की। इस मौके पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक सोमाणी ने समाज की प्रगति पर प्रकाश डाला एवं महासभा की ओर से संचालित समाजोन्मुखी विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। सभा अध्यक्ष ने समाज को एकजुटता का संदेश दिया। मंच संचालन सभा सचिव गौरी शंकर गट्टानी ने किया। महिला मंडल अध्यक्षा उषा माहेश्वरी के नेतृत्व में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। जिला युवा संगठन अध्यक्ष अंशुल भुराड़िया ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार वितरित किए। प्रादेशिक महिला सभा की संरक्षक मंजू सोमाणी ने माहेश्वरी समाज उत्पत्ति स्थल लोहार्गल धाम सीकर के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महेश भुराड़िया, हरीकिशन लड्ढा, राजेन्द्र झंवर, विवेक तोषनीवाल, विनोद लड्ढा, नवीन माहेश्वरी, संजय झंवर, मनोज राठी, संजय राठी, प्रदीप राठी, शैलेन्द्र देवपुरा, कैलाश गट्टानी, सचिन भुराड़िया तथा माहेश्वरी महिला मंडल से सविता तोषनीवाल, सीमा लड्ढा, सुमन परवाल, श्वेता भुराड़िया, टीना भुराड़िया, कमला राठी, सरिता राठी, राधा राठी व पूजा, मोनिका राठी मौजूद रही।

धानक समाज की बैठक में अनेक मुद्दों पर चर्चा, शिक्षा पर दिया जोर

रेवाड़ी। संत कबीर चैरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले धानक समाज की बैठक धानक चौपाल कुतुबपुर में पूर्व सरपंच धर्मपाल सुठानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मौके पर समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। समाज के विकास आपसी भाईचारा बढ़ाने और जागरूकता फैलाने पर जोर दिया गया। समाज की एकता को मजबूत करने, आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों मदद करने, समाज में शिक्षा को बढावा देने, युवाओं को सरकारी नौकरियों के प्रति प्रेरित करने तथा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के लिए ठोस निर्णय लिए गए। इस मौके पर प्रधान वेदप्रकाश बनवाल, महासचिव दयाराम मोरवाल, रामौतार पचेरवाल, विजय डाबला, रवि इंदौरा, राकेश सोलंकी, सोनू कुमार, नरेन्द्र सिंह, सुरेंद्र धानक, नाहड़ ब्लॉक प्रधान मुकेश जुड्डी, खोल ब्लॉक प्रधान धर्मेंद्र कुमार, डहीना ब्लॉक प्रधान गुलशन कुमार, जाटूसाना ब्लॉक प्रधान प्रभातीलाल, देशराज खनगवाल, देशराज डाबला व सलिल मोरवाल सहित समाज के अनेक लोग मौजूद थे।

तैयारी कोसली में आईएमटी की जमीन के लिए किसानों से ई-भूमि पोर्टल पर मांगे आवेदन

प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 10 नई आईएमटी होंगी स्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि औद्योगिक विकास ही किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार है। दुनिया के विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के माध्यम ही अपने आपको को मजबूत बनाया है। कैबिनेट मंत्री गांव पाल्हावास में आयोजित किसान सम्मेलन में शिरकत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आज हरियाणा उसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के समग्र विकास की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए मेक इन हरियाणा उद्योग नीति तैयार की है। देश भर में औद्योगिक विकास की इस अग्रणी नीति को जब पहली जून को गुरुग्राम में लॉन्च किया गया तो पहले ही दिन प्रदेश को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह नीति प्रदेश में पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश के लक्ष्य को लेकर तैयार की गई है।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने बजट अभिभाषण में घोषणा की थी कि प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 10 नई आईएमटी स्थापित की जाएंगी, जिनमें अंबाला व नारायणगढ़ में आईएमटी के लिए एचएसआईआईडीसी ने जमीन खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी है। घोषणा के तहत कोसली में भी नई आईएमटी बनेगी। किसानों की सहमति से उनके तमाम हितों को ध्यान में रखते हुए जमीन की खरीद की जा रही है।

रेवाड़ी। सम्मेलन में किसानों को संबोधित करते राव नरबीर सिंह तथा उपस्थित किसान। फोटो : हरिभूमि

एक लाख प्रति एकड़ प्रति वर्ष अदायगी की जाएगी

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कोसली क्षेत्र में बनने वाली आईएमटी के लिए भी किसान जल्दी से जल्दी जमीन देने का कार्य करें। इसके लिए किसान ई-भूमि पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं या लैंड पुलिंग पोलिसी का चयन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसा प्रावधान भी प्रस्तावित है, जिसके तहत सरकार को किसान की ओर से दी जाने वाली भूमि का औद्योगिक संपदा में जो भी बिक्री योग्य क्षेत्रफल निकल कर आएगा उसका आधा हिस्सा एचएसआईआईडीसी तथा आधा हिस्सा भूमि देने वाले किसान का होगा। साथ ही जब तक आईएमटी विकसित नहीं होगी, लगभग चार साल तक किसानों को पैदावार की भरपाई के लिए एक लाख प्रति एकड़ प्रति वर्ष अदायगी की जाएगी।

प्रदेश में आएगी समृद्धि

इस मौके पर चीफ कोऑर्डिनेटर इंडस्ट्रीज सुनील शर्मा ने किसानों की ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से जमीन खरीद प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिस दिन जमीन की रजिस्ट्री होगी, उसी दिन किसान के खाते में एकमुश्त रकम की अदायगी की जाएगी। क्षेत्र में आईएमटी के बनने से रोजगार के लाखों अवसर पैदा होंगे और दक्षिण हरियाणा का चहुंमुखी विकास होगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सरपंच महेश कुमार, सतपाल थानेदार, पूर्व सरपंच गजराज, रामौतार कतोपुरी, सुनील यादव व राकेश एग्रीगेटर सहित क्षेत्र के अनेक किसान उपस्थित थे।